तेजस्वी कार्यक्रम

चर्चा में क्यों?

मध्य प्रदेश सरकार ने छात्रों में उद्यमी विश्वास और कौशल विकसित करने के लिये **तेजस्वी कार्यक्रम** शुरू किया है।

मुख्य बिंदु

- **कार्यक्रम के बारे में:**
  - **स्कूल शिक्षा विभाग** द्वारा तेजस्वी कार्यक्रम के क्रियान्वयन हेतु राज्य ओपन स्कूल और सहयोगी संस्थाएँ **उद्यम लर्निंग फाउंडेशन** तथा **द एजुकेशन एलायंस** के बीच बहुपक्षीय MoU हस्ताक्षरित किया गया।
  - यह कार्यक्रम छात्रों को **स्व-रोज़गार** और **नवीन उद्योगों** के बारे में जानकारियाँ प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है।
  - सरकार की योजना है कि विद्यार्थियों को **व्यावसायिक कौशल** से युक्त किया जाए ताकि वे जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिये सक्षम हो सकें और आत्मनिर्भर बन सकें।
  - यह कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप है, जो स्कूली विद्यार्थियों में व्यवसायिक दक्षताओं एवं जीवन कौशल विकसित करने पर केंद्रित है।
- **प्रशिक्षण**
  - इस कार्यक्रम के तहत **विद्यालयीन समय** में **नवीन उद्योगों** और **स्व व्यवसाय** पर आधारित पाठ्यक्रम तैयार किया गया है।
  - **प्रशिक्षण कार्यक्रम** में विद्यार्थियों को **अनुभव आधारित** कार्य, **प्रोजेक्ट कार्य** और **नवाचारी व्यवसाय** से संबंधित जानकारी दी जाएगी।
  - **भोपाल** और **इंदौर** में **कक्षा 9 और 11** के छात्रों के लिये विशेष कक्षाएँ संचालित की जाएंगी।
- **प्रभाव**
  - **प्रदेश** में **स्व-रोज़गार** और **उद्यमिता** को बढ़ावा मिलेगा।.
  - **मध्य प्रदेश** में **युवाओं** के **स्वावलंबन** और **करमठता** में वृद्धि होगी।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में शिक्षा की पहुँच, समानता, गुणवत्ता, वहनीय शिक्षा और उत्तरदायित्व जैसे मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया गया है।
- नई शिक्षा नीति के निर्माण के लिये जून 2017 में पूर्व इसरो (ISRO) प्रमुख **डॉ. के.** कस्तूरीरंगन की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया था, इस समिति ने **मई 2019** में '**राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मसौदा**' प्रस्तुत किया था।
  - **'राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP), 2020' वर्ष 1968 और वर्ष 1986 के बाद स्वतंत्र भारत की तीसरी शिक्षा नीति** होगी।
- NEP-2020 के तहत **केंद्र व राज्य सरकार के सहयोग से शिक्षा क्षेत्र पर देश की** जीडीपी **के 6% हिस्से के बराबर निवेश का लक्ष्य** रखा गया है।
- नई शिक्षा नीति में वर्तमान में सक्रिय 10+2 के शैक्षिक मॉडल के स्थान पर शैक्षिक पाठ्यक्रम को **5+3+3+4** प्रणाली के आधार पर विभाजित करने की बात कही गई है।
- तकनीकी शिक्षा, भाषाई बाध्यताओं को दूर करने, दिव्यांग छात्रों के लिये शिक्षा को सुगम बनाने आदि के लिये तकनीकी के प्रयोग को बढ़ावा देने पर बल दिया गया है।
- इस शिक्षा नीति में छात्रों में रचनात्मक सोच, तार्किक निर्णय और नवाचार की भावना को प्रोत्साहित करने पर ज़ोर दिया गया है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/tejasvee-program